30 जून 2017

अमेरिका-कनाडा 'सुरक्षा' संबंध

डॉ. स्तुति बनर्जी

संक्षिप्त सारांश

- **एमओआरएडी** (नोराड) ने समुद्री सुरक्षा आयाम को अपनी जिम्मेदारियों में शामिल करना शुरू कर दिया है।
- नोराड के भीतर, कनाडा पर बहस जारी है कि क्या उसे अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली में शामिल होने की आवश्यकता है।
- नोराड के भीतर साइबर क्षेत्र, रुचि का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता बढ़ रही है।
- नाटो के भीतर, संयुक्त राज्य अमेरिका ने समान बोझ साझा करने का आह्वान किया है। कनाडा ने कहा है कि नाटो के लिए किए जा रहे योगदान का मूल्यांकन करने के अन्य तरीके हैं।
- नाटो के भीतर, कनाडा मूर्त परिचालन योगदान पर एक प्रीमियम जारी रखता है , साथ ही वह गठबंधन के समर्थन में कर्मियों को तैनात करने और बनाए रखने की प्रतिबद्धता और क्षमता का प्रदर्शन करता है।
- आर्कटिक सुरक्षा कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा संबंधों का एक मुख्य हिस्सा है।
- कनाडा के साथ, संयुक्त राज्य अमेरिका आर्कटिक परिषद का सदस्य है, यह परिषद आर्कटिक मुद्दों, विशेष रूप से आर्कटिक के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा और सहयोग करने के लिए अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय निकाय है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच आर्कटिक क्षेत्र में ब्यूफोर्ट सागर के एक क्षेत्र की अनसुलझी सीमा पर असहमति है, इस क्षेत्र को तेल और गैस भंडार के लिए जाना जाता है। **राष्ट्रपति ट्रम्प ने आर्कटिक में तेल ब्लॉकों के अन्वेषण पर प्रतिबंध लगाने वाले राष्ट्रपति ओबामा के आदेश को पलट दिया है।**
- संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वह आर्कटिक में नौ वहन की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। हालांकि यह विशेष रूप से कनाडा के लिए नहीं है, लेकिन यह नॉर्थवेस्ट पैसेज पर कनाडा के दावों और उत्तरी समुद्री मार्ग के लिए रूस के दावों के संदर्भ में हो सकता है।

आपके बगल में रहना कुछ मायनों में हाथी के साथ सोने जैसा है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि जानवर कितना अनुकूल और शांत स्वभाव का है, अगर मैं यह कह सकता हूँ कि, प्रत्येक चिकोटी और असंतोष से प्रभावित होता है।

–पिएरे इलियट ट्रूडो, कनाडा के प्रधानमंत्री, 1969.

पूर्व प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा उपरोक्त शब्द , संयुक्त राज्य अमेरिका की उनकी पहली यात्रा पर, कनाडा द्वारा देखे गए दोनों राष्ट्रों के बीच के संबंधों के बारे में कहे गए क्योंकि यह अपने शक्तिशाली पड़ोसी के साथ समायोजन और काम करने की कोशिश करता है। आज प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस संबंध को आगे बढ़ा रहे हैं। यह प्रश्न सबसे अधिक पूछा जा रहा है कि क्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के अंतर्गत इस संबंध में कोई दरार आएगी या प्रधानमंत्री ट्रूडो वाशिंगटन में नए प्रशासन के साथ कामकाजी संबंध बनाने में सक्षम होंगे।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा भौगोलिक निकटता के आधार पर एक संबंध साझा करते हैं। इस संबंध में आर्थिक, व्यापार, सुरक्षा, विदेश नीति, संस्कृति और पर्यावरण क्षेत्र शामिल हैं। इस शोधपत्र के प्रयोजनों के लिए, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की बहु-पार्श्विक सुरक्षा साझेदारी (नाटो) और आर्कटिक क्षेत्र के विश्वसनीय भागीदारों के रूप में , दोनों के बीच के सुरक्षा संबंधों का उत्तर अमेरिकी एयरोस्पेस और रक्षा कमान (नोराड) की महाद्वीपीय रक्षा संरचना में उनके योगदान के दृष्टिकोण से अध्ययन किया जा रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा

ये भौगोलिक पड़ोसी देश हैं- ये संसाधन और अपनी संस्कृति तथा 5,500 मील की सीमा - "दुनिया की सबसे लंबी अपरिभाषित सीमा" साझा करते हैं। दोनों राष्ट्र व्यापार द्वारा भी जुड़े हुए हैं जो बड़े पैमाने पर उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) के माध्यम से एकीकृत है । लोकतांत्रिक राजनीतिक मूल्यों को साझा करने के अलावा दोनों पड़ोसी , द्विपक्षीय और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक मुद्दों पर भी सहयोग करते हैं। अमरीकियों और कनाडा के लोगों ने विश्व युद्ध, कोरिया और अफगानिस्तान दोनों में साथ-साथ लड़ाई लड़ी है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के संस्थापक सदस्य के रूप में, कनाडा ने शीत युद्ध के दौरान गठबंधन में और हाल ही में लीबिया और अफगानिस्तान के संघर्ष में महत्वपूर्ण योगदान दिया । अमेरिकी और कनाडाई सशस्त्र बल , उत्तरी अमेरिका की रक्षा और विदेशी मिशनों में निकट सहयोग में संलग्न हैं।[1] जो सुरक्षा संबंध विकसित हुआ है, वह अंतर-संचालन क्षमताएं विकसित करने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए संयुक्त सीमा गश्त पर आधारित है। संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा होमलैंड की सुरक्षा चिंताओं और हितों को साझा करते हैं और संभावित भविष्य के हमलों की तैयारी के लिए दोनों सरकारों के बीच सहयोग को आवश्यक माना जाता है।

स्रोत: गूगल मैप्स

नोराड (एनओआरएडी)

कनाडा-अमेरिका रक्षा संबंधों में दशकों से सुधार होता रहा है। 1940 से उत्तर अमेरिकी महाद्वीप की साझा सुरक्षा के इतिहास का पता चलता है जब कनाडा के प्रधानमंत्री मैकेंजी किंग और अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ने यूरोप में युद्ध और आपसी रक्षा चिंताओं पर चर्चा की थी। सितंबर 1957 में, दोनों राष्ट्र "नॉर्थ अमेरिकन एयर डिफेंस कमांड" (नोराड) बनाने के लिए सहमत हुए, जिसका मुख्यालय कोलोराडो स्प्रिंग्स, कोलो में एक द्वि-राष्ट्रीय कमांड के रूप में है , जो सोवियत बमवर्षकों के खतरे और परमाणु बम परीक्षण (1949) के खिलाफ महाद्वीपीय हवाई हमलों के परिचालन नियंत्रण को केंद्रीकृत करता है। 12 मई, 1958 को, कनाडाई और अमेरिकी सरकारों के बीच समझौते को औपचारिक रूप दिया गया था , जिसने नोराड की स्थापना की। नोराड के प्राथमिक मिशन: (क) उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस चेतावनी ; (ख) उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस नियंत्रण; तथा (ग) उत्तरी अमेरिका के लिए समुद्री चेतावनी प्रदान करना है।[3] यह प्रणाली दोनों देशों में से किसी के हवाई क्षेत्र में किसी भी अवांछित प्रवेश का पता लगाने के लिए उत्तरी अमेरिका में स्थित तीन स्तरीय रडार रक्षा पर आधारित है। नोराड का कमांडर अमेरिकी राष्ट्रपति और कनाडाई प्रधानमंत्री दोनों के प्रति उत्तरदायी है। कमांड का अनूठी डिज़ाइन , दोनों देशों की संप्रभुता का सम्मान करते हुए, देशों के साझा मूल्यों और सामान्य सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाता है। आज नोराड संयुक्त राज्य अमेरिका-कनाडा रक्षा संबंधों का एक महत्वपूर्ण घटक बन गया है। इसे दोनों देशों में व्यापक समर्थन प्राप्त है।[4]

नोराड को शीत युद्ध की समाप्ति और रूस से खतरे की धारणा को कम क रने के साथ-साथ अन्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित किया गया। यह कमान मादक पदार्थों की तस्करी और तस्करी गतिविधियों के परिवहन में उपयोग किए जाने वाले छोटे विमानों का पता लगाने में सक्रिय रूप से शामिल हो गया। इसके परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका की दक्षिणी सीमाओं पर नोराड अधिक

सक्रिय हो गया। मेक्सिको को शामिल करने के लिए नोराड को अपनी सदस्यता का विस्तार करने का भी विचार है।

9/11 के हमलों ने खतरे की धारणा को एक बार फिर से बदल दिया। अक्षमता और संचार की कमी का मतलब था कि उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस चेतावनी और एयरोस्पेस नियंत्रण के साथ काम करने वाला कमान नोराड आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में असमर्थ था । हमलों ने अमेरिकी शहरों की सुरक्षा में नोराड की भूमिका को बढ़ा दिया और इसे , इसके हवाई क्षेत्र में प्र वेश करने वाले सभी अनजान वायुयानों की निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर रक्षात्मक आक्रमण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। वर्षों से नोराड ने समुद्री सुरक्षा आयाम को भी अपनी जिम्मेदारियों में शामिल करना प्रारंभ कर दिया है। मई 2006 के नोराड समझौते के नवीनीकरण में एक समुद्री चेतावनी मिशन जोड़ा गया , जो संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडाई समुद्री दृष्टिकोण , समुद्री क्षेत्रों और अंतर्देशीय जलमार्गों में की गई गतिविधियों के बारे में साझा जागरूकता और समझ को बढ़ाता है।[5]

कनाडा के सीनेट की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा पर स्थायी सीनेट समिति की रिपोर्ट में , (2017) में कहा गया था कि , "उत्तरी अमेरिका के बचाव के संदर्भ में कनाडाई सशस्त्र बलों की तत्परता सुनिश्चि त करना एक ऐसा कार्य है , जिसकी आवश्यकता रूस की बढ़ी हुई हठधर्मिता को देखते हुए अधिक बढ़ गई है।"[6]

हालांकि संगठन, विकसित हो रही चुनौतियों को बेहतर ढंग से संबोधित करने के लिए अपनी कमांड संरचना में परिवर्तन कर रहा है , पर संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच विचलन का एक बिंदु है। इराक युद्ध में भाग न लेने के कनाडा के निर्णय या उत्तरी अमेरिका के लिए संयुक्त राज्य बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) प्रणाली का समर्थन करने की उसकी अनिच्छा के कारण मतभेद उत्पन्न हुए। जब राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने चिंताओं के कारण 2005 में पहली बार कहा था कि यह अंतरिक्ष के शस्त्रीकरण का नेतृत्व करेगा तब कनाडा ने बीएमडी कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया था । इस प्रणाली का सार्वजनिक विरोध भी हुआ था , जो संयुक्त राज्य अमेरिका की नीतियों के विरोध में था और एक विचार था कि यह कनाडा की संप्रभुता को कमजोर करेगा।

विवादास्पद विचारों का अर्थ था कि संयुक्त राज्य अमेरिका और डिफ़ॉल्ट रूप से कनाडा की रक्षा करने वाली वर्तमान बीएमडी प्र णाली, नोराड की कमान में न होकर संयुक्त राज्य की घरेलू कमान के अंतर्गत है। इसका मतलब यह है कि , कनाडा मिसाइल सुरक्षा के संचालन में भाग नहीं लेता है , नोराड में शामिल कनाडा वासी किसी भी संभावित मिसाइल हमले की चेतावनी और आकलन प्रदान करके प्रणाली का समर्थन करते हैं। उदाहरण के लिए, नोराड की कमान में एक कनाडाई जनरल अधिकारी यह पुष्टि करने में सक्षम होगा कि उत्तरी अमेरिका मिसाइल हमले के अधीन है और चेतावनी प्रदान करता है , लेकिन बीएमडी हस्तक्षेर जारी करने का निर्णय इसे एक अमेरिकी पर छोड़ देना चाहिए।[7]

जुलाई 2014 में, कनाडा सीनेट रक्षा समिति की बीएमडी और कनाडा के लिए बढ़ते खतरे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि यह नहीं माना जा सकता कि संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रणाली कनाडा की रक्षा करेगी और इसलिए औपचारिक रूप से प्रणाली में भाग लेना आवश्यक है। यह महसूस किया गया कि रूस , उत्तर कोरिया और ईरान के खतरे संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह कनाडा के लिए भी वास्तविक थे, अतएव बीएमडी प्रणाली में शामिल न होने की नीति पर फिर से विचार करना आवश्यक है। समिति ने कहा कि, "कनाडा को संयुक्त राज्य अमेरिका के बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम में पूरी तरह से भाग लेना चाहिए। यह मानती है कि, यह कनाडा के हित में है कि वह बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा की रणनीतिक वास्तुकला से संबंधित फैसलों और खतरों के जवाबों में साथ-साथ शामिल हो।" यह आगे कहा गया है कि किसी खतरे का पता लगाने में सक्षम होना , खतरों के बारे में निर्णय ले ने के तरीके में भागीदारी से अलग था। 2017 की सीनेट कमेटी की रिपोर्ट में रिपोर्ट के निष्कर्षों को दोहराया गया , जिसमें सिफारिश की गई कि कनाडा बीएमडी पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पूर्ण भागीदार बने , रडार स्थापना के लिए रणनीतिक स्थान प्रदान करे और संयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी साझेदारी में सहयोग करे। वर्तमान लिबरल सरकार ने संकेत दिया है कि यह पिछली कनाडाई सरकारों की तुलना में प्रस्ताव के अधिक अनुकूल है। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री ट्रूडो के एक संयुक्त वक्तव्य में, दोनों पक्षों ने कहा, "संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडाई सेना संयुक्त रूप से उत्तरी अमेरिका की रक्षा में एयरोस्पेस चेतावनी , एयरोस्पेस नियंत्रण और समुद्री चेतावनी का संचालन करते हैं। हम इन प्रमुख क्षेत्रों के साथ-साथ साइबर और अंतरिक्ष में अपनी नोराड भागीदारी को आधुनिक और व्यापक बनाने के लिए काम करेंगे। "[8] हाल ही में जारी कनाडा रक्षा नीति 'स्ट्रॉन्ग सिक्योर एंगेज्ड' बीएमडी में प्रसार का उल्लेख करती है और स्वीकार करती है कि बीएमडी और क्रूज मिसाइल से उत्पन्न खतरे "और अधिक जटिल और तेजी से पता लगाने के लिए मुश्किल हो गए हैं। इस दिशा में, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने द्विपक्षीय रक्षा के लिए, महाद्वीपीय रक्षा चुनौतियों के एक अभिनव तकनीकी समाधान की तलाश में पहले ही द्विपक्षीय सहयोग शुरू कर दिया है।[9] बहरहाल, यह कनाडा के बीएमडी प्रणाली में शामि ल होने की संभावना का कोई संदर्भ नहीं देता है। संभावना है संसद के भीतर की बहस और जनमत को ध्यान में रखते हुए कि मामले पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार को कनाडा के अमेरिकी बीएमडी में शामिल होने के अपने मामले को आगे रखना होगा और इस मुद्दे को भी संबोधित करना होगा कि यह प्रणाली के अनुसंधान और विकास में कैसे योगदान देगा, साथ ही साथ कमांड की जिम्मेदारियां भी संभालनी होंगी। प्रणाली की लागतों के बारे में भी प्रश्न है, विशेष रूप से जब लिबरल सरकार कनाडाई सशस्त्र बलों (सीएएफ) की तत्परता को बढ़ाने के लिए रक्षा खर्च को नियंत्रित करना चाहती है।

सुरक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका एक मजबूत बीएमडी प्रणाली के निर्माण में अधिक निवेश करता है; नोराड के भीतर कनाडा की आवश्यकताओं को इससे बाहर रहना मुश्किल होगा। यह विशेष रूप से कठिन होगा क्योंकि नोराड का प्राथमिक कार्य हवाई हमले की प्रारंभिक चेतावनी देना है। इसका मतलब यह हो सकता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रभावी रूप से एक बीएमडी प्रणाली स्थापित करता है जिसमें कोई द्वि-राष्ट्रीय कमांड या नियंत्रण प्रणाली नहीं होगी। दूसरी ओर पूर्ण भागीदारी से सेना के जनरलों सहित कनाडाई अधिकारियों को अपने, बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा पर चर्चा करने के लिए मेज पर

होने का अवसर मिलेगा कि कनाडा की रक्षा कैसे की जा सकती है और इसकी दिशा में आती हुई मिसाइल को हमें कब, कहाँ या कैसे रोकना चाहिए।[10]

समकालीन सुरक्षा चिंताओं ने दोनों देशों का ध्यान "बढ़ाये गए सैन्य सहयोग के अवसरों " का मूल्यांकन करने पर केंद्रित किया है। साइबर क्षेत्र, रुचि का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। 2012 में संयुक्त साइबर केंद्र की स्थापना के समय इस दिशा में पहला कदम उठाया गया था। जेसीसी के तीन मुख्य मिशन होंगे: साइबर क्षेत्र में स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार कर, कमांड के नेटवर्क की रक्षा में सुधार और अनुरोध पर नागरिक अधिकारियों को साइबर परिणाम प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति सहायता प्रदान कर ने के द्वारा मुख्यालय के मिशन में साइबर को बेहतर ढंग से एकीकृत करना।[11] हालांकि, अमेरिका के पूर्व एनएसए जनरल कीथ अलेक्जेंडर जैसे पूर्व खुफिया अधिकारियों द्वारा यह सुझाव दिया गया है कि दोनों देश साइबर क्षेत्र में साथ काम करते हैं। इस क्षेत्र में खतरा सिर्फ सैन्य प्रतिष्ठान तक सीमित नहीं है। नई प्रौद्योगिकियों के विकास और मौजूदा प्रौद्योगिकियों में नवाचारों के कंपनियों से हैक या चोरी होने का भी खतरा है। **साइबर नेटवर्क के जुड़े होने के कारण, निजी क्षेत्र और सरकारों को एक दूसरे के साथ इंटरफेस करना होता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हैकर्स, किसी भी उल्लंघन के माध्यम से सुरक्षा में प्रवेश नहीं कर सकते हैं।**

नाटो

दोनों देश नाटो के माध्यम से आपसी चिंता के सुरक्षा मुद्दों पर भी सहयोग करते हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कनाडा को एहसास हुआ कि उनकी सुरक्षा यूरोप की राजनीतिक अखंडता और सुरक्षा के साथ जुड़ी हुई थी। शीत युद्ध के राजनीतिक विभाजन के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र में उत्पन्न होने वाली बाधा को महसूस करते हुए , कनाडा ने संयुक्त राज्य के बा हर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और बाद में यूनाइटेड किंगडम से बातचीत शुरू की। हालांकि, नया संगठन पूरी तरह से सैन्य गठबंधन नहीं था। गठबंधन बनाने में कनाडा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जो राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी पहुंच बढ़ाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए, कनाडा नाटो संधि के अनुच्छेद 2[12] और अनुच्छेद 4[13] को जोड़ने में भी सहायक था। अनुच्छेद 2 में राज्यों से आपस में आर्थिक सहयोग विकसित करने का आह्वान किया गया है , जबकि अनुच्छेद 4 में कहा गया है कि अगर किसी सदस्य की राजनीतिक, स्वतंत्रता, अखंडता और सुरक्षा को खतरा है तो राज्य उनकी सहायता के लिए आगे आएंगे। कनाडा सीनेट की स्थायी समिति की रिपोर्ट (2017) के अनुसार, "कनाडा के सशस्त्र बल द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय व्यवस्थाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के रखरखाव में योगदान करते हैं , कई गवाहों ने देखा है कि नाटो में कनाडा के योगदान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ... नाटो के संस्थापक सदस्य के रूप में , सैन्य गठबंधन में कनाडा की भागीदारी लंबे समय से कनाडा की रक्षा और सुरक्षा नीति की आधारशिला रही है।"[14]

गठबंधन के सामने बोझ के समान बंटवारे का प्रश्न है, जिसे राष्ट्रपति ट्रम्प ने बार-बार उठाया है। संधि के वॉरसॉ शिखर सम्मेलन (2016) में, सदस्य राज्यों ने एक दशक के भीतर रक्षा पर जीडीपी का 2

प्रतिशत खर्च करने की अपनी प्रतिबद्धता पर फिर से सहमति व्यक्त की। और जबकि यूरोपीय सहयोगी और कनाडा के लोगों द्वारा रक्षा खर्च जीडीपी के 3.8 प्रतिशत या 10 अरब अमरीकी डालर तक बढ़ गया है, नाटो के पास अभी भी उचित बोझ साझाकरण नहीं है। उन्होंने यह भी सहमति व्यक्त की कि जो लोग संबंधित अनुसंधान और विकास सहित प्रमुख नए उपकरणों पर वार्षिक रक्षा व्यय का कम से कम 20 प्रतिशत खर्च करने के लिए नाटो- सहमत दिशानिर्देश को पूरा नहीं करते हैं , वे एक दशक के भीतर ऐसा करने का लक्ष्य रखेंगे।[15] वर्तमान संयुक्त राज्य प्रशासन द्वारा इस मुद्दे को बार-बार उठाने से मामले ने प्रमुखता प्राप्त की है। इसके उत्तर में प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा है कि, नाटो के लिए किए जा रहे योगदान का मूल्यांकन करने के अन्य तरीके भी हैं। यह बयान उन योगदानों के बदले में किया गया है जो कनाडा ने लातविया, यूक्रेन और इराक में नाटो के संचालन के लिए , अफगानिस्तान में परिचालन से निपटने में योगदान और आईएसआईएल के खिलाफ खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए ऑपरेशन आदि में किए हैं। कनाडा रक्षा नीति की समीक्षा 2016 परामर्श दस्तावेज़ में कहा गया है , "जीडीपी का प्रतिशत एक संदिग्ध उपाय है जो एक राष्ट्र अपने रक्षा खर्च में प्राप्त कर सकता है , यह आकांक्षात्मक दिशानिर्देश हमारे सहयोगियों के बीच बहस को बढ़ाता है। यह पहचानना भी महत्वपूर्ण है कि विभिन्न देशों में के रक्षा बजट की गणना में काफी भिन्नता है .... कनाडा अपने रक्षा खर्च का आकलन एक प्रभावी और सक्षम कनाडाई सशस्त्र बल (सीएएफ) का समर्थन करने के लिए आवश्यक संसाधनों के स्तर के संदर्भ में करता है। अंततः, सीएएफ के लिए हम जिस महत्वाकांक्षा को परिभाषित करते हैं, उसे ठीक से पुनर्जीवित किया जाना चाहिए, जिसमें अधिकतम प्रभाव के साथ सीमित संसाधनों का निवेश करने के बारे में स्पष्ट प्राथमिकताओं और रणनीतिक निर्णयों की आवश्यकता होगी। निवेश के लिए प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए और संबंधित ट्रेड-ऑफ क्या हैं?"[16]

बहरहाल, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा पर स्थायी समिति (कनाडा सीनेट) की 2017 की रिपोर्ट में कहा गया है कि, "आज, सेना पर खर्च कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.88% है, जो नाटो गठबंधन के हिस्से के रूप में हमारी अपनी सुरक्षा और रक्षा जरूरतों पर जीडीपी का 2% खर्च करने की हमारी प्रतिबद्धता से कम है। जब हमारे रक्षा पर खर्च की बात आती है तो आज कनाडा 28 नाटो सदस्यों में 23वें स्थान पर है। *यह अस्वीकार्य है।* (जोर दिया गया)" [17] समिति ने सिफारिश की है कि कनाडा अपनी राष्ट्रीय रक्षा जरूरतों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए अपने रक्षा खर्च में वृद्धि करे। 'समिति फंडिंग के उस स्तर को बढ़ाकर दोगुनी करने से जुड़ी चुनौतियों से पूरी तरह अवगत है , हालांकि, यह आश्वस्त है कि प्रभावी ढंग से कनाडा का बचाव करने के लिए, नाटो गठबंधन के खर्च के लिए हमारी प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए (जोर नहीं दिया गया) इसे जीडीपी के 2% तक बढ़ाया जाना चाहिए।"[18] कनाडा सरकार ने अपनी 2017 की रक्षा नीति की समीक्षा के माध्यम से घोषणा की है कि , "देश और विदेश में कनाडा की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए , सरकार एक अभिवृद्धि के आधार पर अगले 10 वर्षों में, रक्षा खर्च को 2016-17 के 17.1 अरब अमेरीकी डॉलर से बढ़ाकर 2026-27 में 24.6 अरब अमेरीकी डॉलर तक बढ़ाएगी। यह वार्षिक रक्षा खर्च में , वार्षिक आधार पर 2016-17 के 18.9 अरब अमेरीकी डॉलर से 2026-27 में 32.7 अरब अमेरीकी डॉलर तक की अर्थात् 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का संकेत देता है।" इसमें आगे कहा गया है, "रक्षा खर्च उचित रक्षा क्षमता सुनिश्चित करने का एक

महत्वपूर्ण हिस्सा है, अतः यह उचित बोझ साझाकरण का सबसे प्रभावी उपाय नहीं है। गठबंधन के भीतर, कनाडा मूर्त संचालन योगदान पर एक प्रीमियम जारी रखता है, साथ ही गठबंधन के समर्थन में कर्मियों को तैनात करने और बनाए रखने की एक प्रतिबद्धता और क्षमता प्रदर्शित करता है।" यह भी कहा गया कि, "कनाडा अपने रक्षा खर्च को कम कर के बता रहा है। कम बताने से संबंधित प्रमुख कारक रक्षा अन्य सरकारी विभागों द्वारा किया गया खर्च का बहिष्कार है..."[19] सरकार ने कहा है कि वह नाटो अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए परामर्श करना जारी रखेगी कि रिपोर्ट की गई लागत नाटो में उनके योगदान को प्रतिबिंबित करती है।

हाल ही में, मध्य और पूर्वी यूरोप के लिए नाटो के आश्वासन और निवारक उपाय के हिस्से के रूप में, कनाडा की सेनाओं को लातविया में तैनात किया गया था। वे नाटो के संवर्धित फॉरवर्ड प्रेजेंस (ईएफपी) बैटल-ग्रुप का हिस्सा हैं। सैनिकों को वापस बुलाने पर कोई निश्चित समयरेखा तय नहीं की गई है। जब तक नाटो ब्रिगेड को भंग करने का फैसला नहीं करता तब तक हर छह से नौ महीने में, कनाडा के सैनिकों के एक नए बैच को बटालियन के माध्यम में घुमाया जाएगा। **यह तैनाती रूस द्वारा संभावित आक्रमण का सामना करने के लिए क्षमता निर्माण करने की आवश्यकता का हिस्सा है।** लिबरल सरकार ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने के लिए आर्कटिक में उनकी साझा रुचि के कारण कनाडा का रूस के साथ बात करना आवश्यक है, हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं होगा कि कनाडा पूर्वी यूरोप के संबंध में रूस की नीतियों का समर्थन करेगा। कनाडा ने यूक्रेन और क्रीमिया के साथ- साथ सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल- असद को रूस द्वारा दिए जा रहे समर्थन का विरोध किया।

आर्कटिक

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा, दोनों देश एक सुरक्षित और समृद्ध आर्कटिक की इच्छा रखते हैं। वे इस क्षेत्र के प्रमुख साझेदार हैं, जो मौसमी बर्फ में कमी देख रहे हैं। इसके लिए दोनों राष्ट्रों को नौसैनिक गतिविधि और अंतर्राष्ट्रीय लड़ाकू यातायात के समन्वय के लिए सहयोग बढ़ाना होगा और जिसकी सबसे अधिक संभावना है। **यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए वर्द्धित अनुसंधान गतिविधि का भी नेतृत्व करेगा।** बर्फ के जमने की कमी के कारण जलवायु में परिवर्तन से क्षेत्र में अधिक पर्यटक गतिविधि की संभावना बढ़ जाएगी। इसका मतलब खोज और बचाव कार्यों को संचालित करने के साथ- साथ आर्कटिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता होगी। आर्कटिक के जल में हो रही गतिविधियों की स मुद्री-निगरानी और क्षेत्र की जागरूकता प्रदान करने के लिए दोनों देशों तटीय और नौसैनिक सुरक्षा बलों को एक दूसरे के साथ काम करना होगा।

आर्कटिक सुरक्षा कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा संबंधों का एक मुख्य हिस्सा है। नॉर्थ वार्निंग सिस्टम (एनडब्ल्यूएस) को नवीनीकृत करने और नोराड के तत्वों को आधुनिक बनाने के संयुक्त प्रयासों के अलावा यह कहीं भी अधिक स्पष्ट नहीं है। आर्कटिक में सुरक्षा की गति विकसित होने के साथ, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका अपने साझा उत्तरी वायु और समुद्री दृष्टिकोण को सुरक्षित करने के लि ए कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहेंगे। नाटो ने अपने आर्कटिक क्षेत्र से रूस की उत्तरी अटलांटिक में परियोजना

बल की क्षमता और नाटो के सामूहिक रक्षा की मुद्रा को चुनौती देने की अपनी क्षमता पर भी अपना ध्यान बढ़ाया है। नाटो स्पष्ट कर चुका है कि गठबंधन उत्तरी अटलां टिक में मित्र देशों के संचार और समुद्री मार्गों के खिलाफ समुद्री युद्ध सहित किसी भी संभावित खतरे से बचने और बचाव करने के लिए तैयार रहेगा।[20]

कनाडा के लिए, आर्कटिक महत्वपूर्ण है। "कनाडा एक समुद्री राष्ट्र है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि यहाँ तीन महासागरों की, दुनिया की सबसे लंबी तटरेखा है। न ही यह केवल हमारे (कनाडा के) इतिहास का प्रतिबिंब है, हालांकि समुद्री शक्ति ने उत्तरी अमेरिका के राजनीतिक भाग्य को आका र देने में एक मौलिक भूमिका निभाई। कनाडा एक समुद्री राष्ट्र है क्योंकि यह व्यापार करता है। कनाडा की संप्रभुता की रक्षा करना आर्कटिक पर संप्रभुता की रक्षा और अभ्यास करने सहित कई गतिविधियों और जिम्मेदारियों को पूरा करता है।"[21] 2017 की कनाडा की रक्षा नीति की समीक्षा में कहा गया है कि , "कनाडा सशस्त्र बल, नोराड के माध्यम से, कनाडा के सभी क्षेत्रों और मार्गों की निगरानी और नियंत्रण करने की जिम्मेदारी निभाता है। इस मिशन को पूरी तरह से कार्यान्वित करने और उत्तरी अमेरिका के सभी के लिए प्रभावी एयरोस्पेस चेतावनी और नियंत्रण प्रदान करने के लिए , कनाडा पूरे कनाडाई आर्कटिक द्वीपसमूह को कवर करने के लिए कनाडाई वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (सीएडीआईजेड) का विस्तार करेगा। वर्तमान सीएडीआईजेड, डिस्टेंट अर्ली वार्निंग (डीईडब्ल्यू) लाइन राडार की क्षमताओं पर आधारित है , जिन्हें 1980 के दशक के उत्तरार्ध में उत्तर चेतावनी प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। ... विस्तारित सीएडीआईजेड आर्कटिक में कनाडा की संप्रभुता वाले हवाई क्षेत्र में पहुंचने और संचालित होने वाले हवाई यातायात के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा। **कनाडा के सशस्त्र बल कई नई आर्कटिक-केंद्रित क्षमताओं को भी प्रस्तुत करेंगे, जिसमें नौसेना के आर्कटिक अपतटीय गश्ती जहाज , रडरसैट कांस्टेलेशन मिशन, ध्रुवीय उपग्रह संचार , दूरस्थ सुव्यवस्थित हवाई प्रणाली जैसे अंतरिक्ष आधारित निगरानी संपत्ति , नानीसिविक नेवल फैसिलिटी सहित परिचालन समर्थन स्थल और कनाडा के उत्तर के कठोर परिदृश्य में नौवहन करने में सक्षम नए ग्राउंड वाहनों का एक परिवार शामिल होगा।"[22]**

संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग ने 'आर्कटिक क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए रणनीति पर कांग्रेस को रिपोर्ट' (दिसंबर 2016) में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका "आर्कटिक के लिए वांछित राज्य : एक सुरक्षित और स्थिर क्षेत्र जहां अमेरिकी राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती है , अमेरिकी मातृभूमि का बचाव किया जाता है और राष्ट्र चुनौतियों का सामना करने के लिए सहकारी रूप से काम करते हैं। "[23] यह दस्तावेज 2013 में आर्कटिक क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय रणनीति (एनएसएआर)[24] और 2009 राष्ट्रीय सुरक्षा अध्यक्षीय निर्देश 66/ होमलैंड सुरक्षा अध्यक्षीय निर्देश 25, आर्कटिक क्षेत्र नीति के अनुसार है। [25] **एनएसएआर** बताता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका आर्कटिक क्षेत्र में व्यापक और मौलिक हितों के साथ एक आर्कटिक राष्ट्र है .... आर्कटिक में संयुक्त राज्य अमेरिका की सुरक्षा सुरक्षित वाणिज्यिक और वैज्ञानिक कार्यों का समर्थन करने से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की गतिविधियों का एक व्यापक परिदृश्य शामिल है।[26] संयुक्त राज्य अमेरिका के पास आर्कटिक क्षेत्र में व्यापक और मौलिक राष्ट्रीय सुरक्षा हित हैं और इन हितों की रक्षा के लिए वह स्वतंत्र रूप से या अन्य राज्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। इन हितों में मिसाइल रक्षा और प्रारंभिक चेतावनी ; समुद्री सुरक्षा

संचालन के लिए समुद्री और वायु प्रणालियों की तैनाती ; सामरिक निवारण, समुद्री उपस्थिति और समुद्री नौवहन और अधिक उड़ान की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने जैसे मामले शामिल हैं। **संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवादी हमलों को रोकने और आपराधिक या शत्रुतापूर्ण कृत्यों को कम करने के लिए मौलिक मातृभूमि सुरक्षा हित भी हैं, जो आर्कटिक क्षेत्र में आतंकवाद के प्रति संयुक्त राज्य अमेरिका की भेद्यता बढ़ा सकते हैं।**[27]

कनाडा के साथ, संयुक्त राज्य अमेरिका आर्कटिक परिषद का एक सदस्य है, जो आर्कटिक मुद्दों, विशेष रूप से आर्कटिक के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा करने और सहयोग करने के लिए अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय निकाय है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का मतलब है कि आर्कटिक गर्म हो रहा है और इस क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। इसमें बर्फ का पिघलना शामिल है जो आर्कटिक के चारों ओर समुद्र के स्तर में वृद्धि का कारण बनता है। इसके परिणामस्वरूप आर्कटिक वन्यजीवों के निवास स्थान का नुकसान भी होता है। आर्कटिक कई स्वदेशी जनजातियों का भी घर है जो अपने जीवन और आजीविका के लिए चुनौतियों का सामना करती हैं। समुद्री बर्फ के कम होने से समुद्री परिवहन और संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने की बहुत संभावना है। समुद्री बर्फ की निरंतर कमी के नौवहन के मौसम को लंबा करने और आर्कटिक के समुद्री संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने की संभावना है ; कम समुद्री बर्फ से अपतटीय तेल और गैस निष्कर्ष ण परियोजनाएं और संप्रभुता, सुरक्षा और सुरक्षा के मुद्दों के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण, समुद्री पहुंच बढ़ने की संभावना है।[28]

इस क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग के अलावा , संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच ब्यूफोर्ट सागर में एक अनसुलझा सीमा विवाद भी है। संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति समानता के आधार पर इस क्षेत्र में एक सीमा को मान्यता देती है। हालाँकि, कनाडा ने इसे लागू किया और जोर देकर कहा कि समता नियम लागू नहीं होता है क्योंकि यह "विशेष परिस्थितियों" के यूएनसीएलओएस प्रावधान के विपरीत है। विवाद का मूल स्रोत का 1825 की एंग्लो-रूसी संधि के शब्दों में पता लगाया जा सकता है , जो रूस और ग्रेट ब्रिटेन के बीच फ्रांसिसी में लिखी गई है। ये संधि अधिकार बाद में 1867 में अमेरिका और 1880 में कनाडा को क्रमशः रूस और ग्रेट ब्रिटेन से विरासत में मिले। कनाडा का दावा है कि संधि भूमि और समुद्र दोनों पर 141 डिग्री की भू-मध्य रेखा, सीमा का परिसीमन करती है; जबकि अमेरिका का दावा है कि यह केवल एक भूमि सीमा है और तट से परे सामान्य समुद्री सीमा परिसीमन लागू होता है। ये अलग-अलग स्थितियां 1976 में सामने आईं , जब अमेरिका ने सीमा रेखा का मुद्दा उठाया, जिसका कनाडा ब्यूफोर्ट सागर में तेल और गैस रियायतें जारी करने में उपयोग कर रहा था।[29]

सीमा पर असहमति अपेक्षाकृत निष्क्रिय रही है। तेल की खोज में कठिनाई और तेल की कीमतों के अनुकूल की तुलना में कम होने का मतलब है कि दोनों देशों ने इस मामले को ज्यादा आगे नहीं बढ़ाया है। राष्ट्रपति ओबामा के कार्यकारी आदेश के परिणामस्वरूप अलास्का के समुद्र तट पर सभी अन्वेषण और निष्कर्षण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के परिणामस्वरूप क्षेत्र में तेल की खोज को संयुक्त राज्य के लिए और अधिक कठिन बना दिया गया था। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने कार्यकारी आदेश में 'अमेरिका-

प्रथम अपतटीय ऊर्जा रणनीति (अप्रैल 2017) को लागू करने के शीर्षक से कहा है कि "आंतरिक सचिव ... (से) ... "बाहरी महाद्वीपीय शेल्फ पर तेल और गैस और सल्फर संचालन - आर्कटिक बाहरी महाद्वीपीय शेल्फ पर खोजपूर्ण ड्रिलिंग के लिए आवश्यकता ओं" पर अंतिम नियम की समीक्षा के लिए तुरंत आवश्यक सभी कदम उठाएं। "[30] अपने आदेश की व्याख्या करते हुए , राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह "... पिछले प्रशासन के आर्कटिक पट्टे पर प्रतिबंध लगाता है , और सचिव ज़िन्के को निर्देश देता है कि वे अपतटीय क्षेत्रों के जिम्मेदार विकास की अनुमति दें जो ... (अमेरिकी) ... खजाने के लिए राजस्व और ... (अमेरिकी) ... श्रमिकों के लिए नौकरियां लाएगा। "[31] इन अपतटीय ड्रिलिंग साइटों की योजना बनाने में संयुक्त राज्य प्रशासन को कुछ समय लगेगा। इस समय, उद्योग के लिए, लागत लाभ से अधिक है, लेकिन यदि तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो क्षेत्र में तेल का महत्व बढ़ सकता है, क्षेत्र से अपतटीय तेल भंडार निकालने में शासन की रुचि है। संयुक्त राज्य अमेरिका के आर्कटिक क्षेत्र की राष्ट्रीय रणनीति के लिए 2014 कार्यान्वयन योजना[32] में उल्लेख है कि यह "ब्यूफोर्ट सागर में एक समुद्री सीमा की ओर काम करेगा जिस पर संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच सहमति है।"

बहरहाल, अमेरिका के रक्षा विभाग ने आर्कटिक क्षेत्र (2016) में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए रणनीति पर कांग्रेस को दी गई रिपोर्ट (2016)[33] में कहा गया है कि, "संयुक्त राज्य अमेरिका ने इन (आर्कटिक पर कनाडा और रूस के दावे) अत्यधिक समुद्री दावों का विरोध किया है इनके अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ असंगत बताया है और इन्हें मान्यता नहीं देता है।" इसमें आगे कहा गया है, "अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत मान्यता प्राप्त समुद्र और हवाई क्षेत्र के सभी अधिकारों , स्वतंत्रता और उपयोगों के संरक्षण में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के समर्थन में, डीओडी अन्य क्षेत्रों की तरह पूरे आर्कटिक में अमेरिकी सैन्य और नागरिक जहाजों तथा विमानों की वैश्विक गतिशीलता को बनाए रखेगा। इसमें जब और जहाँ आवश्यक हो , अत्यधिक समुद्री दावों को चुनौती देने के लिए फ्रीडम ऑफ़ नेविगेशन अभियान आयोजित करना शामिल है।" हालांकि विशेष रूप से कनाडा के लिए नहीं है, लेकिन यह नॉर्थवेस्ट पैसेज के लिए कनाडा के दावों और उत्तरी समुद्री मार्ग के लिए रूस के दावों के संदर्भ में हो सकता है। फिलहाल विवाद अनसुलझी स्थिति में है।

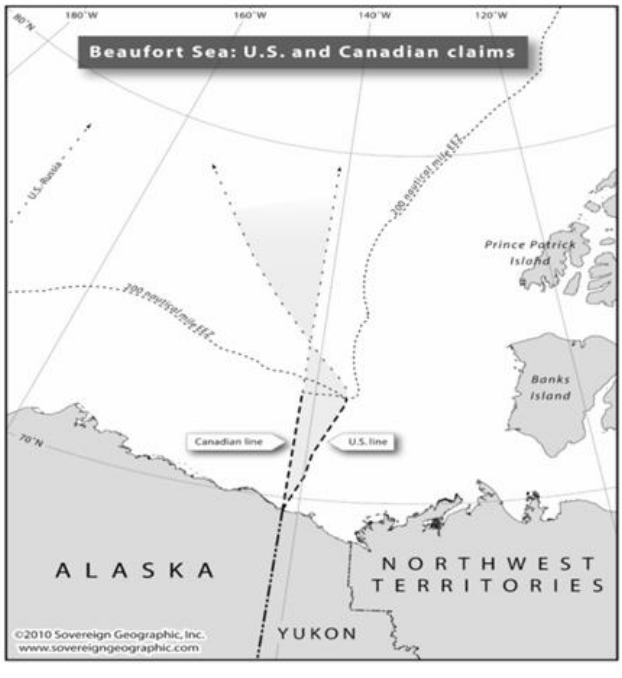

निष्कर्ष

राष्ट्रपति ओबामा (2016) द्वारा आयोजित रात्रि भोज में अपनी टिप्पणी में , प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के हवाले से कहा, "राष्ट्रपति ट्रूमैन, जिन्होंने लगभग 70 साल पहले कनाडा की संसद में इन शब्दों को साझा किया था। उन्होंने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कनाडा के संबंध "अनायास विकसित नहीं हुए... (यह) केवल भूगोल की खुशहाल परिस्थिति के माध्यम से नहीं आया," बल्कि एक भाग निकटता और नौ भागों में अच्छी इच्छाशक्ति और सामान्य ज्ञान का मिश्रण था।" मेरा मानना है कि हमारे आज के संबंध को यह अच्छी इच्छा और सामान्य ज्ञान ही परिभाषित करता है। यह हमारी रचनात्मक साझेदारी को संभव बनाता है।"[34]

दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक , जटिल और बहुआयामी संबंध हैं; यह संबंध ऐसा है जिसमें बहुत नजदीकियां सहज सुलभ मानी जा सकती हैं, लेकिन इसे शायद ही कभी भुलाया जा सके। फिर भी, दोनों देशों के बीच सभी निकटता के बावजूद, अमेरिकी-कनाडाई राजनीतिक संबंध एक स्थिर संबंध नहीं है। राजनीतिक नेताओं और राजनीतिक जलवायु के आधार पर , संबंध निकट या अधिक दूर , सुखद या तनावपूर्ण हो सकते हैं। [35] शरणार्थी, व्यापार और नाटो फंडिंग जैसे कई मुद्दों पर राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री ट्रूडो की अलग-अलग राय है, हालांकि, दोनों नेताओं ने इस रुख को बनाए रखा है कि वे सहयोग और सहयोग के पुलों के निर्माण के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं। वे समान मूल्यों को साझा करते हैं जिनमें उत्तर अमेरिका में शांति और सुरक्षा बनाए रखना शामिल है। दोनों पड़ोसी द्विपक्षीय सुरक्षा और कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक मुद्दों की संख्या में भागीदार हैं। रक्षा संबंध केवल व्यापक नहीं, दोनों देशों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण भी है। इस संबंध की भविष्य की दिशा में एयरोस्पेस, समुद्र, भूमि, साइबर और नागरिक सहायता क्षेत्र में बेहतर सुरक्षा पर सहयोग शामिल हो सकता है। इसमें आर्कटिक में साझा जिम्मेदारी भी शामिल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा आर्कटिक जैव- विविधता की रक्षा के लिए अपने स्वदेशी समुदायों के साथ इस क्षेत्र में समान चुनौतियों का सामना करेंगे, जो यहां के लोगों की आजीविका से भी जुड़ा हुआ है।

जॉन एफ कैनेडी ने 1961 में कनाडा की संसद को संबोधित करते समय कहा था, "भूगोल ने हमें पड़ोसी बना दिया है। इतिहास ने हमें दोस्त बनाया है। अर्थशास्त्र ने हमें भागीदार बनाया है। और आवश्यकता ने हमें सहयोगी बनाया है...."[36] अंतर के बावजूद दोनों सहयोगी दल निकटतम बने रहेंगे और एक-दूसरे की समृद्धि और सुरक्षा के लिए आवश्यक भागीदार होंगे।

***

**डॉ.स्तुति बनर्जी , भारतीय विश्व मामले परिषद, नई दिल्ली में अध्येता है|*

अस्वीकरण: व्यक्त मंतव्य लेखक के हैं और परिषद के मंतव्यों को परिलक्षित नहीं करते।

पादटिप्पणियां :

1 Carl Ek, and Ian F. Fergusson, "Canada-U.S. Relations," https://fas.org/sgp/crs/row/96-397.pdf, 24 मई 2017 को अभिगम्य.

2 In the post Cold War years it was renamed as the North American Aerospace Defence Command.

3 North American Aerospace Defense Command, "NORAD Treaty," https://www.state.gov/documents/organization/69727.pdf, 13 जून 2017 को अभिगम्य.

4 Ray Walser, James Carafano, Jena Baker McNeill and Richard Weitz, "Expand NORAD to Improve Security in North America," http://www.heritage.org/defense/report/expand-norad-improve-security-north-america#_ftn1, 16 जून 2017 को अभिगम्य.

5 NORAD, "History of NORAD," http://www.norad.mil/About-NORAD/NORAD-History/, 16 जून 2017 को अभिगम्य.

6 The Honourable Daniel Lang and The Honourable Mobina S.B. Jaffer, Senate Canada, "Military Unfunded: The Walk Must Match The Talk: The Report of the Standing Senate Committee on National Security and Defence," https://sencanada.ca/content/sen/committee/421/SECD/Reports/DEFENCE_DPR_FINAL_e.pdf, 16 जून 2017 को अभिगम्य.

7 Joel Sokolsky, "U.S. Ballistic Missile Defense, NORAD and the Canada Conundrum," U.S. Ballistic Missile Defense, NORAD and the Canada Conundrum, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

8 Office of the Press Secretary, The White House, "Joint Statement From President Donald J. Trump and Prime Minister Justin Trudeau," https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2017/02/13/joint-statement-president-donald-j-trump-and-prime-minister-justin, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

9 Government of Canada, "Strong, Secure, Engaged: Canada Defence Policy," http://dgpaapp.forces.gc.ca/en/canada-defence-policy/docs/canada-defence-policy-report.pdf, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

10 The Honourable Daniel Lang,and The Honourable Roméo A. Dallaire, Senate Standing Committee on National Security and Defence, " Canada and Ballistic Missile Defence: Responding to Evolving Threats," https://sencanada.ca/content/sen/Committee/412/secd/rep/rep10jun14-e.pdf, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

11 NORAD News, "NORAD, USNORTHCOM Joint Cyber Center stands up," http://www.norad.mil/Newsroom/Article/578606/norad-usnorthcom-joint-cyber-center-stands-up/, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

12 Article 2- The Parties will contribute toward the further development of peaceful and friendly international relations by strengthening their free institutions, by bringing about a better understanding of the principles upon which these institutions are founded, and by promoting conditions of stability and well-being. They will seek to eliminate conflict in their international economic policies and will encourage economic collaboration between any or all of them.

13 Article 4- The Parties will consult together whenever, in the opinion of any of them, the territorial integrity, political independence or security of any of the Parties is threatened.

14 Op.Cit 06, The Honourable Daniel Lang and The Honourable Mobina S.B. Jaffer, Senate Canada.

15 NATO, "The Secretary Generals Annual Report 2016," http://www.nato.int/nato_static_fl2014/assets/pdf/pdf_2017_03/20170313_SG_AnnualReport_2016_en.pdf#page=29, 16 जून 2017 को अभिगम्य.

16 Op.Cit 09, Government of Canada.

17 Op. Cit 06, The Honourable Daniel Lang and The Honourable Mobina S.B. Jaffer Senate Canada.

18 पूर्वोक्त

19 Op. Cit 09, Government of Canada.

20 पूर्वोक्त

21 Op.Cit 06, The Honourable Daniel Lang and The Honourable Mobina S.B. Jaffer, Senate Canada.

22 Op. Cit 09, Government of Canada.

23 Department of Defence, "Report to Congress on Strategy to Protect United States National Security Interests in the Arctic Region (दिसम्बर 2016)," https://www.sullivan.senate.gov/imo/media/doc/2016_ArcticStrategy-Unclass.pdf 20 जून 2017 को अभिगम्य.

24 उपलब्ध at https://obamawhitehouse.archives.gov/sites/default/files/docs/nat_arctic_strategy.pdf

25 https://www.hsdl.org/?abstract&did=232474 पर उपलब्ध

26 The White House, "National Strategy for the Arctic Region," https://obamawhitehouse.archives.gov/sites/default/files/docs/nat_arctic_strategy.pdf, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

27 The White House, "National Security Presidential Directive/NSPD - 66 Homeland Security Presidential Directive/HSPD - 25 Arctic Region Policy," https://www.hsdl.org/?abstract&did=232474, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

28 Rob Hueburt, "Canada and the Changing International Arctic: At the Crossroads of Cooperation and Conflict," http://irpp.org/wp-content/uploads/2008/09/huebert.pdf, 15 जून 2017 को अभिगम्य.

29 Greg Sharp, "An old problem, a new opportunity: A case for solving the Beaufort Sea boundary dispute," http://www.thearcticinstitute.org/an-old-problem-a-new-opportunity-a-case-for-solving-the-beaufort-sea-boundary-dispute/, 16 जून 2017 को अभिगम्य.

30 The Office of the Press Secretary, The White House, "Presidential Executive Order Implementing an America-First Offshore Energy Strategy," https://www.whitehouse.gov/the-press-

office/2017/04/28/presidential-executive-order-implementing-america-first-offshore-energy, 29 जून 2017 को अभिगम्य.

31 The Office of the Press Secretary, The White House, “Remarks by President Trump at Signing of Executive Order on an America-First Offshore Energy Strategy,” https://www.whitehouse.gov/the-press-office/2017/04/28/remarks-president-trump-signing-executive-order-america-first-offshore, 28 जून 2017 को अभिगम्य.

32 http://www.virginia.edu/colp/pdf/national-strategy-arctic-region.pdf पर उपलब्ध

33 https://www.sullivan.senate.gov/imo/media/doc/2016_ArcticStrategy-Unclass.pdf पर उपलब्ध

34 Prime Minister of Canada Office, “Prime Minister's remarks at State dinner; Official visit to the United States,” http://pm.gc.ca/eng/news/speeches, 09 जून 2017 को अभिगम्य.

35 Cameron D. Anderson and Laura B. Stephenson, “Moving Closer or Drifting Apart? Assessing the State of Public Opinion on the U.S.-Canada Relationship,” https://www.wilsoncenter.org/sites/default/files/Moving%20Closer%20or%20Drifting%20Apart,%20Anderson%20and%20Stephenson%20अप्रैल %209.pdf, 20 जून 2017 को अभिगम्य.

36 पूर्वोक्त